स्मरण पत्र

श्रीनाथ विश्वविद्यालय
अध्ययन • अनुशासन • अनुग्रहण

७वाँ अंतर्राष्ट्रीय

श्रीनाथ हिंदी महोत्सव

जमशेदपुर-२०२३

कलम, आज उनकी जय बोल!

२१-२३ दिसम्बर २०२३

"साहित्य * संस्कृति * शिक्षा * सृजन * संगीत"

आयोजक :

श्रीनाथ विश्वविद्यालय

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त
एआईसीटीई एवं पीसीआई द्वारा अनुमोदित
आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड

आयोजन समिति

मार्गदर्शक
- श्री सुखदेव महतो

परिकल्पना एवं कार्यक्रम निदेशक
- श्री कौशिक मिश्रा

मुख्य सलाहकार
- प्रो. (डॉ.) मुदिता चंद्रा
- श्री दिनेश रंजन
- डॉ. रामा शंकर
- श्री कुमार विवेक
- श्री संदीप सावर्ण

मुख्य संयोजक
- डॉ. गोविंद महतो

मंच संचालक सह उद्घोषक
- श्री उदय चंद्रवंशी

कार्यक्रम प्रभारी
- श्री जे. राजेश

कार्यक्रम संचालक
- डॉ. भाव्या भूषण

मुख्य कार्यक्रम संचालन (कोर) समिति
- श्रीमती रचना रश्मि
- श्रीमती जयश्री सिंह
- श्रीमती लक्ष्मी कुमारी
- श्रीमती माधुरी कुमारी
- श्री संजय कुमार सिंह
- डॉ. मृत्युंजय महतो
- श्री जे. राजेश
- श्री अनुज कुमार पांडेय
- श्री शशिकांत सिंह

अतिथि एवं निर्णायक समिति
- श्री जे. राजेश (प्रभारी)
- श्रीमती रचना रश्मि
- श्री भवेश कुमार
- श्री विनय सिंह शांडिल्य
- श्रीमती जयश्री सिंह
- डॉ. संतोष कुमार
- श्रीमती सुमन सिंह
- श्रीमती लक्ष्मी कुमारी

लेखन समिति
- श्रीमती रचना रश्मि (प्रभारी)
- श्री विनय सिंह शांडिल्य
- श्रीमती जयश्री सिंह
- श्री भवेश कुमार
- श्रीमती रश्मि कुमारी
- श्रीमती रिंकी महतो

निमंत्रण एवं पंजीयन समिति
- श्री अनुज पांडेय (प्रभारी)
- श्री भवेश कुमार
- श्रीमती चंचला महतो
- श्री बिजयादित्य गिरि
- श्री रोशन कुमार
- श्री सौमक विश्वास
- श्री दिवेश कुमार
- श्री देब कुमार रे
- सुश्री रितिका वार्ष्णेय
- सुश्री दीक्षा कुमारी गुप्ता
- सुश्री मनीषा वर्मा अग्रवाल
- सुश्री सुषमा अग्रवाल
- सुश्री देबोश्री भट्टाचार्जी
- श्रीमती संगीता महतो

स्वागत समिति
- श्रीमती मधु शर्मा (प्रभारी)
- श्रीमती कनकलता
- सुश्री ट्विंकल गुप्ता
- सुश्री प्रेरणा कुमारी शर्मा
- श्री सुमित कुमार
- सुश्री मधु पांडेय
- सुश्री स्वेतासमि सरकार
- सुश्री कविता महतो

साज-सज्जा समिति
- श्री गणेश महतो (प्रभारी)
- श्री नलिन चंद्रा
- श्री अरुण कुमार
- श्री शुभम गोराई
- श्री भवतोष गोराई
- श्री शशिकांत प्रसाद
- श्री चंद्रशेखर मित्रा
- सुश्री सारिका सिंह
- श्री अविनाश कुमार शर्मा
- सुश्री बेबी कुमारी

पुरस्कार वितरण समिति
- श्री सुभदीप भद्रा (प्रभारी)
- सुश्री जया रानी महतो
- डॉ. देबोप्रिया सरकार
- सुश्री कुलविंदर कौर
- सुश्री निशा
- डॉ. सौमक बिश्वास
- सुश्री कमालिका दास
- श्री नर्मदेश पाठक
- सुश्री प्रेरणा कुमारी शर्मा
- सुश्री मनीषा महतो
- श्रीमती कनक लता
- सुश्री सलोनी पांडेय
- सुश्री मनोज मालिनी ओझा
- सुश्री स्वस्तिका नायक
- सुश्री मोनालिसा दास

कार्यक्रम स्थल प्रबंधन समिति
- श्रीमती सुमन सिंह (प्रभारी)
- श्रीमती जयश्री सिंह
- श्रीमती श्वेता कुमारी
- डॉ. प्रीति किरण
- डॉ. पूजा श्रीवास्तव
- डॉ. विकास मुर्मू
- श्री शिव कुमार शाह
- श्री दिलीप कुमार
- सुश्री पायल कुमारी
- सुश्री सोनी कुंवर क्षेत्री
- श्रीमती कंचन कुमारी
- श्रीमती पूजा कुमारी

भोजन एवं आतिथ्य समिति
- श्री सुधांशु शेखर महतो (प्रभारी)
- श्रीमती रेखा कुमारी गोप
- श्री उपेन्द्र दीप
- सुश्री जया रानी महतो
- श्री सुभदीप भद्रा
- सुश्री सारिका ढाल
- सुश्री बरखा देशमुख
- सुश्री अर्चना कुमारी
- श्रीमती स्वाति सिंह
- श्रीमती सरस्वती कुमारी
- श्री सुबोध चंद्र महतो

स्वच्छता एवं रखरखाव समिति
- डॉ. सूर्य प्रताप सिंह (प्रभारी)
- डॉ. शैलेश कुमार षाड़ंगी
- श्री शशि शेखर सिंह
- श्रीमती अपर्णा रॉय
- श्री बसंत महतो
- श्री अभिषेक कुमार
- श्रीमती डॉली पॉल
- श्रीमती सुचिता रंजन

प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया समिति
- श्री जे. राजेश (प्रभारी)
- श्रीमती रचना रश्मि
- श्रीमती लक्ष्मी कुमारी
- श्री भवेश कुमार
- श्रीमती जयश्री सिंह
- श्रीमती अलका तमांग
- सुश्री सुनीता सोहानी
- सुश्री कृति गुप्ता

तकनीकी प्रबंधन समिति
- श्री गौरांगो महतो (प्रभारी)
- श्री रोशन कुमार
- श्री अविनाश कुमार शर्मा
- श्री शशिकांत प्रसाद
- श्री दीपक
- श्री रवि कुमार

मंच प्रबंधन समिति
- श्री सीताराम महतो (प्रभारी)
- श्रीमती माधुरी कुमारी
- सुश्री शिबानी गोराई
- श्री अरिजीत दास
- श्री राहुल बनिक
- श्री कौशिक कुमार पांडेय
- श्री मनोज महतो
- श्री अविनाश कुमार शर्मा
- मो आशिक आजाद
- सुश्री बसुधा सिंह
- सुश्री निशा सिंह
- सुश्री नेहा कुमारी
- सुश्री प्रिया सिन्हा

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति
- श्रीमती बीना महतो (प्रभारी)
- सुश्री शालिनी चक्रवर्ती
- श्री अजित मुर्मू
- सुश्री शिबानी गोराई
- श्रीमती मोनिका सिंह
- सुश्री सुरभी मंडल
- श्रीमती सुदीप्ता दास

अनुशासन एवं सुरक्षा समिति
- श्री अभिषेक कुमार (प्रभारी)
- श्री राजेश रंजन
- श्री रवि कांत
- श्री नीरज कुमार
- श्री सुमित कुमार
- श्री रोशन कुमार
- श्री महेंद्र रौतिया
- श्री शशांक मोदद

वाहन ठहराव समिति
- श्री सयान मंडल (प्रभारी)
- श्री देब कुमार रे
- श्री अभिजीत डे
- श्री लक्ष्मण कुमार

प्रायोजक एवं वित्त समिति
- श्री शशिकांत सिंह (प्रभारी)
- डॉ. मृत्युंजय महतो
- श्री अनुज पांडेय
- डॉ. सौमक बिश्वास
- डॉ. संतोष कुमार
- सुश्री शिबानी गोराई
- श्री नर्मदेश पाठक
- श्री सयान मंडल

आपातकालीन समिति
- श्री अभिषेक कुमार (प्रभारी)
- श्री गणेश महतो
- श्री नलिन चंद्रा
- डॉ. सूर्य प्रताप सिंह

अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी समिति
- डॉ. संतोष कुमार (प्रभारी)
- श्री जे. राजेश
- श्री सुभदीप भद्रा

स्मरण पत्र समिति
- श्री भवेश कुमार (प्रभारी)
- सुश्री शालिनी चक्रवर्ती
- सुश्री शिबानी गोराई
- श्रीमती महुआ चक्रवर्ती
- सुश्री तनुश्री साहा

प्रतिभागी महाविद्यालय / विश्वविद्यालय

१. यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, यू.एस.ए.
२. पिट्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए.
३. लोफबोरो यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम
४. यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर, यूनाइटेड किंगडम
५. लिवरपूल जॉन मूरेस यूनिवर्सिटी, सेंटर फॉर नेचुरल प्रोडक्ट्स डिस्कवरी, यूनाइटेड किंगडम
६. मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूफाउंडलैंड, कनाडा
७. टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टूटगार्ट, जर्मनी
८. त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल
९. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड
१०. आई.आई.टी. दिल्ली
११. आई.आई.टी. भुवनेश्वर, ओडिशा
१२. एन.आई.टी. राउरकेला, ओडिशा
१३. एन.आई.टी. जमशेदपुर, झारखण्ड
१४. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
१५. बी.आई.टी., मेसरा, झारखण्ड
१६. कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज-डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, ओडिशा
१७. चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना, बिहार
१८. टेंपलसिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, ओडिशा
१९. कुल्टी कॉलेज, प. बंगाल
२०. उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड
२१. साईनाथ विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड
२२. कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
२३. जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड
२४. श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड
२५. अरका जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड
२६. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बेगूसराय (बिहार)
२७. लंगटा बाबा कॉलेज, गिरीडीह, झारखण्ड
२८. गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, भागा, धनबाद, झारखण्ड
२९. मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड
३०. एम.बी.एन.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, आसनबनी, चांडिल, झारखण्ड
३१. अब्दुल बारी मेमोरियल कॉलेज, गोलमुरी, जमशेदपुर, झारखण्ड
३२. डी.बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जमशेदपुर, झारखण्ड
३३. मिसेज के.एम.पी.एम. वोकेशनल कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड
३४. रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता, झारखण्ड
३५. महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड
३६. मॉडल कॉलेज, खरसावां, झारखण्ड
३७. जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर
३८. देव आई.टी.आई., दुगनी, सरायकेला, झारखण्ड
३९. करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड
४०. करीम सिटी बी.एड. कॉलेज, मानगो, झारखण्ड
४१. द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वुमेन, जमशेदपुर
४२. गवर्नमेंट वीमेंस पॉलिटेक्निक, जमशेदपुर
४३. स्वामी विवेकानन्द कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सालबनी, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड
४४. जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड
४५. पटमदा डिग्री कॉलेज, जल्ला, पूर्वी सिंहभूम

प्रथम दिवस (२१ दिसम्बर, २०२३)

उद्घाटन -सह- चिंतन-मनन सत्र

विषय : 'हिन्दी ज्ञान भाषा बनकर ही बच सकती है'

मुख्य अतिथि :

- **श्री मुकेश कुमार**, भा.प्र.से.
  निदेशक, अंकेक्षण, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि :

- **श्री आलोक कुमार दुबे**, भा.प्र.से.
  आयुक्त, आदित्यपुर नगर निगम
- **श्री राहुल देव**
  वरिष्ठ पत्रकार एवं भाषाकर्मी, नई दिल्ली

श्री मुकेश कुमार, भा.प्र.से.
निदेशक, अंकेक्षण, झारखण्ड

श्री आलोक कुमार दुबे, भा.प्र.से.
आयुक्त, आदित्यपुर नगर निगम

श्री राहुल देव
वरिष्ठ पत्रकार एवं भाषाकर्मी

समन्वयक

डॉ. भाव्या भूषण
पूर्व कुलसचिव,
श्रीनाथ विश्वविद्यालय

श्री नर्मदेश पाठक
विभागाध्यक्ष, जनसंचार एवं पत्रकारिता
विभाग, श्रीनाथ विश्वविद्यालय

प्रथम दिवस
चिंतन-मनन वक्तव्य
विषय : 'हिन्दी ज्ञान भाषा बनकर ही बच सकती है'

श्री मुकेश कुमार, भा.प्र.से.
निदेशक, अंकेक्षण, झारखण्ड

हमें भाषा को अलंकृत करने की जरूरत नहीं है। वह अपना रास्ता खुद बनाती चलती है। भाषा के लिए वस्तुत: सामाजिक स्वीकृति अत्यंत आवश्यक है। मैं इस बात से सहमत हूँ कि हिन्दी को उसकी जगह मिलनी ही चाहिए। हिन्दी हमारे मन के भीतर से आती है। हम प्रेम या अन्य कोई भावनाओं को हिन्दी में ही प्रकट करते हैं। मुझे लगता है कि हिन्दी भाषा के रूप में जरूर तरक्की कर आगे जाएगी। हिन्दी को बचाने की आवश्यकता नहीं है। यह अपना मार्ग खुद तय कर लेगी और हमारी नई पीढ़ी इसे आगे लेकर जाएगी। हिन्दी को उसकी जगह मिलनी ही चाहिए। हिन्दी को बचाने की आवश्यकता नहीं है। हिन्दी अपना मार्ग खुद तय कर लेगी और हमारी नई पीढ़ी इसे आगे लेकर जाएगी। हमें भाषा को अलंकृत करने की जरूरत नहीं है, बल्कि भाषा के लिए सामाजिक स्वीकार्यता आवश्यक है। आज सरकारी कार्यालयों को ऐसे निर्देश दिए गए हैं कि आपको अपने कामकाज हिन्दी में करने होंगे, वस्तुत: हिन्दी को बढ़ाने के लिए संस्थागत प्रयास होने चाहिए।

श्री आलोक कुमार दुबे, भा.प्र.से.
आयुक्त, आदित्यपुर नगर निगम

सरकारी तंत्र जनता के लिए काम करती है। कुछ तकनीकी शब्द हैं, जिसे अनुवाद करना कठिन है। मैं भारत के दक्षिण के राज्यों में भी देखा हूँ कि लोग हिन्दी सरलता एवं सहजता से बोलते हैं। यह विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है जो स्वत: ही आगे बढ़ रही है। आज सरकारी योजनाओं के प्रारूप हिन्दी में निकलते हैं, जिससे आम आदमी तक उसकी पहुँच बन सके। हमलोग दुरुह क्षेत्रों में उस क्षेत्र की प्रचलित भाषा जानने वाले लोगों को भेजते हैं, जिससे जितनी भी सरकारी योजनाएं हैं, वह लोगों को समझ में आए। सरकार खुद इस क्षेत्र मे प्रयासरत है कि योजनाएं आम आदमी को समझ आए और वे उनका लाभ उठा सके। हिन्दी को बचाने की मुहिम की अगर बात करें तो अपने आप ही हिन्दी का प्रचार हो रहा है क्योंकि हिन्दी बोलने वालो की संख्या अधिक है।

श्री राहुल देव
वरिष्ठ पत्रकार एवं भाषाकर्मी

मुझे तो हिन्दी सब दिन से सरल लगी है। मैं खुद हिन्दी माध्यम से पढ़ा हूँ और मुझे हिन्दी भाषा को लिखने-पढ़ने में कभी कोई असुविधा का अनुभव नहीं हुआ। किसी भी भाषा को अभ्यास के द्वारा सरल बनाया जा सकता है। हिन्दी के लिए मेरी सोच भावनात्मक नहीं यथार्थवादी है। कोई भी भाषा किसी अन्य भाषा पर अपना आधिपत्य नहीं जमा सकती है। ज्ञान भाषा एक होती है, बोल-चाल की भाषा अलग होती है। एक ही भाषा के अलग अलग-अलग रूप होते हैं। हिन्दी हमारी मातृभाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी प्राथमिक भाषा है। अब चिकित्सा एवं तकनीकी पुस्तकें भी हिन्दी में पढ़ी जाने लगी है एवं इस क्षेत्र में अभी और भी काम निरंतर जारी है। भाषा को जिंदा रखने की एक ही शर्त है कि उसे उपयोग में लाया जाए अन्यथा भाषा मर जाती है। आज हमारी पीढ़ी अंग्रेजी भाषा में पढ़ रही है। आने वाली पीढ़ी भी नर्सरी से ही अंग्रेजी भाषा में ही पढ़ेगी, यह हिन्दी भाषा के लिए आने वाले समय में संकट बनकर उभरेगा, जो हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

द्वितीय दिवस (२२ दिसम्बर, २०२३)

चिंतन-मनन सत्र

विषय : 'स्त्री लेखन की लोकप्रियता'

वक्तागण :

- **श्रीमती ममता कालिया**
  वरिष्ठ साहित्यकार, नई दिल्ली
- **श्रीमती मधु कांकरिया**
  वरिष्ठ साहित्यकार, मुम्बई
- **डॉ. संजीता वर्मा**
  विभागाध्यक्ष, हिन्दी केन्द्रीय विभाग,
  त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल

श्रीमती ममता कालिया
वरिष्ठ साहित्यकार, नई दिल्ली

श्रीमती मधु कांकरिया
वरिष्ठ साहित्यकार, मुम्बई

डॉ. संजीता वर्मा
विभागाध्यक्ष, हिन्दी केन्द्रीय विभाग,
त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल

समन्वयक

डॉ. संध्या सिन्हा
सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग,
करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर

श्रीमती रचना रश्मि
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर

द्वितीय दिवस

चिंतन-मनन वक्तव्य

विषय : 'स्त्री लेखन की लोकप्रियता'

श्रीमती ममता कालिया
वरिष्ठ साहित्यकार, नई दिल्ली

वर्तमान स्त्री लेखन का समय गतिशील और ऊर्जामय है। स्त्री ही प्रेम है, श्रृंगार है, जीवन है। इनसे ही समाज की सारी व्यवस्थाएं जुड़ी हुई हैं। वर्त्तमान समय में स्त्री लेखन साहित्य एक लंबी छलांग लगाई है, जो आज फर्श से अर्श तक पहुंच गई है। आज का स्त्री लेखन समग्र समाज को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रहा है। अब वह आपबीती न सुनाकर एक समावेशी संस्कृति की ओर अग्रसर हो रही है। स्त्री की यह ताकत उसके आगे बढ़ने की दिशा में उसकी स्वयं की ऊर्जा है। इसी संकल्प के साथ उसने समाज में एक विशिष्ट पहचान बना ली है। स्त्री लेखन समाज के जीवंत समस्या को अपने लेखनी से उकेरती है। आज की स्त्री पुरुषों की अनुगामी न होकर उनकी सहधर्मी बन गई है। उसने बामंगिनी होने का मिथ तोड़ दिया है एवं वे साथ चल रही हैं और कभी-कभी तो आगे भी निकल जा रही है। इसी केंद्र में स्त्री साहित्य वर्तमान समय में अग्रसर हो रही है।

श्रीमती मधु कांकरिया
वरिष्ठ साहित्यकार, मुम्बई

स्त्री भारतीय समाज में दोयम दर्ज की मानी जाती थी। लेकिन वर्तमान नारी ने पूरे दृश्य को बदल दिया है। अब वह स्वयं के प्रति जागरुक है, उसे अपने मान-सम्मान की परवाह है एवं अपने वजूद का ध्यान भी उसे है। स्त्री की यह यात्रा स्वाभाविक नहीं है। इनकी स्त्री लेखन में यह मानसिकता परिलक्षित होती है। ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है, कुछ समय पहले की बात है कि कवि की दृष्टि में नारी की बदहाली साफ-साफ झलकती थी। 'अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी', समय बदलता गया पंक्तियाँ बदल गई। नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत के पद तल में पीयूष स्रोत सी बहा करो। जीवन के सुंदर समतल में आज की नारी इन दोनों स्थितियों को नकारती है। वह देवी बनकर मंदिर में सजावट की वस्तु नहीं बनना चाहती। साहित्यकार ने यह बताया है कि आज के स्त्री लेखन का यही मूल मंत्र है। स्त्री अपनी सारी वर्जनाओं और त्रुटियों को समेटते हुए उसे वास्तविक आकार देती है। इस संघर्ष में वह किसी की दया का पात्र नहीं है। स्त्री अपने अधिकारों के प्रति सजग है एवं वर्तमान समय का स्त्री साहित्य इसी मानसिकता को उभारता है।

डॉ. संजीता वर्मा
विभागाध्यक्ष, हिन्दी केन्द्रीय विभाग,
त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल

आज स्त्री को मनुष्यत्व के रूप में स्थापित करने का प्रयास है तथा हाशिए पर ढकेल दी गई स्त्री स्मिता को पुन: केंद्र में लाने का प्रयास किया जा रहा है। स्त्रियों का स्वरूप पहले से कहीं ज्यादा बदल गया है एवं स्त्रियाँ पुरुषों के बंधन से बहुत हद तक मुक्त हो गई है। काठमांडू की साहित्यकार ने इस बात को अपने स्त्री साहित्य तथा स्त्री लेखन में भली-भांति उकेरा है। लीक से अलग हटकर स्त्रियों की महत्ता बताई गई है। स्त्रियां अब पिता, पति, पुत्र के बंधन से अपने को मुक्त कर आसमान में ऊंची छलांग लगा रही है। अपने अधिकारों की रक्षा स्वत: करने में तत्पर है तथा वह स्वयं आगे बढ़ना चाहती हैं। काठमांडू नेपाल की साहित्यकार ने स्त्री के इसी संघर्ष को अपनी प्रखर लेखनी के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया है। पहले की सामाजिक व्यवस्था में स्त्री स्मिता, पुरुष प्रधान समाज के बनाए नियमों और मान्यताओं के अनुसार अपनी जीवन प्रक्रिया संपादित करती थी। अब वह स्वयं अपने मूल्यों पर जीवन जीने की आदी है। लेखिका ने अपने चिंतन-मनन के सत्र में इस बात की पुष्टि की है।

तृतीय दिवस (२३ दिसम्बर, २०२३)

चिंतन-मनन

विषय : 'न्यायिक प्रक्रिया में हिन्दी भाषा की उपयोगिता'

मुख्य अतिथि :

- **न्यायमूर्ति डॉ. एस. एन. पाठक**
  उच्च न्यायालय, राँची, झारखण्ड
- **विशिष्ट अतिथि :**
- **श्री विजय कुमार**
  प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
  जिला एवं सत्र न्यायालय, सरायकेला, झारखण्ड
- **श्री राजेश कुमार शुक्ला**
  वरिष्ठ अधिवक्ता सह उपाध्यक्ष,
  झारखण्ड स्टेट बार काउंसिल

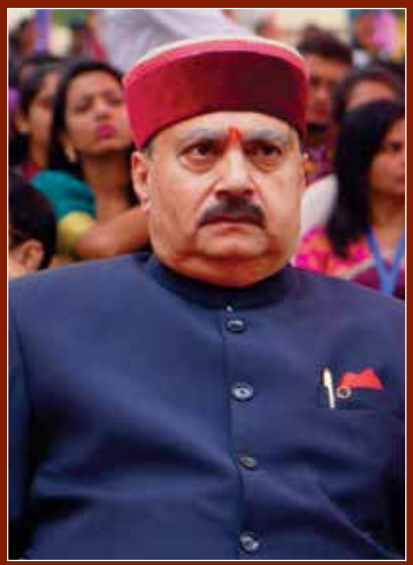

न्यायमूर्ति डॉ. एस. एन. पाठक
उच्च न्यायालय,
राँची, झारखण्ड

श्री विजय कुमार
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
जिला एवं सत्र न्यायालय, सरायकेला

श्री राजेश कुमार शुक्ला
वरिष्ठ अधिवक्ता सह उपाध्यक्ष,
झारखण्ड स्टेट बार काउंसिल

न्यायमूर्ति डॉ. एस. एन. पाठक
उच्च न्यायालय, राँची, झारखण्ड

भाषा वह माध्यम है, जिससे हम अपने गहनतम विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। कबीर ने हिन्दी को अपनाया, मीरा ने मान दिया और आजादी के दीवाने इसके साथ ही अपनी लड़ाई लड़ रहे थे। हमें हिन्दी को आत्मसात करना होगा, उसको अपनाना होगा। न्यायिक प्रक्रिया में यदि हिंदी भाषा की उपयोगिता की बात की जाए तो नागरिकों को अपनी संवैधानिक अधिकारों का बोध भी हिन्दी भाषा के द्वारा होता है। अगर व्यक्ति को केवल मुकदमा, हार एवं जीत से समझ में आए और वह पूरी न्यायिक प्रक्रिया को न समझे, क्योंकि पूरी न्यायिक प्रक्रिया अंग्रेजी मे थीं, तो इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात दूसरी नहीं हो सकती। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस देश की न्यायिक प्रक्रिया में हमने हिन्दी को नहीं अपनाया है, लेकिन वह दिन दूर नहीं है, जब न्यायालय में हिन्दी कार्य प्रणाली का हिस्सा बनेगी। हिन्दी हमारी संस्कृति और सभ्यता की महत्वपूर्ण कड़ी है, इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसकी उपयोगिता से न्यायिक प्रक्रिया में सामाजिक न्याय और समरसता को बढ़ावा मिलेगा। हिन्दी भाषा का प्रयोग हमें गर्व से करना चाहिए। देश के विद्वानों को भी अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए न कि विदेशी भाषा पर। रूस, अमेरिका, चीन, इंग्लैंड, अपनी भाषा का प्रयोग करके ही आगे बढ़ें हैं, इससे हमें अवश्य ही सीखने की आवश्यकता है।

सम्मानित अतिथिगण

श्री रवि शंकर शुक्ला, भा.प्र.से.
उपायुक्त,
सरायकेला-खरसावाँ

श्री राजीव चौरसिया
सचिव,
न्यायमूर्ति डॉ. एस.एन. पाठक,
उच्च न्यायालय, राँची

श्रीमती विमला पाठक
धर्मपत्नी,
न्यायमूर्ति डॉ. एस.एन. पाठक,
उच्च न्यायालय, राँची

डॉ. पी. के. पाणी
पूर्व वित्त पदाधिकारी,
कोल्हान विश्वविद्यालय,
चाईबासा

डॉ. दारा सिंह गुप्ता
समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना,
कोल्हान विश्वविद्यालय,
चाईबासा

श्री धर्मेंद्र सिंह
सदस्य,
फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया

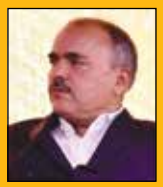

श्री संजय मिश्रा
संपादक, प्रभात खबर,
जमशेदपुर, झारखंड

डॉ. मनोज कुमार महापात्र
सी.सी.डी.सी.,
कोल्हान विश्वविद्यालय,
चाईबासा

डॉ. सुनील केडिया
ब्रह्मानन्द नारायण
मल्टीस्पैशलिटी अस्पताल,
जमशेदपुर

डॉ. रीतिका केडिया
ब्रह्मानन्द नारायण
मल्टीस्पैशलिटी अस्पताल,
जमशेदपुर

श्री गणेश मेहता
संपादक, हिंदुस्तान,
जमशेदपुर, झारखंड

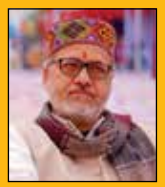

डॉ. सुखनंदन सिंह
विभागाध्यक्ष, जनसंचार एवं
पत्रकारिता विभाग, देव संस्कृति
विश्वविद्यालय, हरिद्वार

डॉ. त्रिपुरा झा
सहायक प्राध्यापक,
शिक्षा विभाग सह इग्नू समन्वयक,
जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय

श्री शिवम आनंद
सुपुत्र,
न्यायमूर्ति डॉ. एस.एन. पाठक,
उच्च न्यायालय, राँची

डॉ. संजय भुइयां
आचार्य सह विभागाध्यक्ष,
शिक्षा विभाग,
जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय

डॉ. सुमंता कुमार सेन
प्राचार्य, पटमदा डिग्री कॉलेज

श्री सुदीप्तो दास
अधिवक्ता

डॉ. राजीव रंजन राकेश
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
एस. बी. कॉलेज, चांडिल

श्री दीपक कुमार
सहायक आचार्य, जनसंचार
एवं पत्रकारिता विभाग,
देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार

श्री विष्णु गर्ग
वरिष्ठ अधिवक्ता, जमशेदपुर

डॉ. तरुण कुमार महतो
प्राचार्य,
पटमदा इन्टर कॉलेज, जल्ला
पूर्वी सिंहभूम

डॉ. प्रतिभा प्रसाद
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
कुल्टी कॉलेज, कुल्टी
प. बंगाल

डॉ. नन्दन पाण्डेय
मुख्य प्रशासक,
वनांचल कॉलेज ऑफ फार्मा

श्री उपेन्द्र प्रसाद
निदेशक,
सरदार पटेल कॉलेज ऑफ
फार्मेसी, जमशेदपुर

श्रीमती माधुरी मिश्रा
साहित्यकार संस्थापिका
नव-पल्लव साहित्यिक संस्था
जमशेदपुर

डॉ. अनिता निधि
साहित्यकार सह सदस्य
बहुभाषीय साहित्यिक संस्था
'सहयोग', जमशेदपुर

डॉ. कुमारी अनुराधा
सहायक प्राध्यापक,
शिक्षा संकाय, एम. एड. विभाग
जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय

श्री मुकेश सिंह चौहान
अध्यक्ष,
हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन

सम्मानित निर्णायकगण

श्री दीपक वर्मा 'दीप'

श्रीमती सुधा गोयल

डॉ. रजनी शर्मा 'चंदा'

श्री उत्तम मल्लिक

डॉ. क्षमा त्रिपाठी

डॉ. मुकुल खंडेलवाल

श्रीमती कृष्णा सिन्हा

श्री संदीप सावर्ण

श्री दशरथ हाँसदा

श्री संतोष महतो

मो. सरताज आलम

श्रीमती संगीता झा

डॉ. जे.एल.पी. राजू

श्रीमती अर्पणा संत सिंह

सुश्री सुमन प्रसाद

श्री संदीप मुरारका

डॉ. मीनाक्षी कर्ण

श्री कुमार विवेक

शाहिद अनवर

आमिर अजहरी

श्रीमती दीपिका बनर्जी

आर.जे. प्रसून

श्रीमती श्रावणी रथ मिश्रा

श्रीमती वर्षा सिंह

श्रीमती सौमी बोस

श्री नवनीत कुमार मिश्रा

श्रीमती विद्या तिवारी

आर.जे. राज

डॉ. नीलिमा कुमारी पटेल

आर.जे. अभय

श्रीमती अरूणा झा

श्रीमती पद्मा मिश्रा

डॉ. अनीता शर्मा

आर.जे. मनोज

उमर खान

सम्मानित अतिथि

श्री रवि शंकर शुक्ला, भा.प्र.से.
उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ, झारखण्ड

विविधताओं से भरा देश है हमारा। यहाँ अलग-अलग भाषा एवं संस्कृति के लोग रहते हैं। भाषाई विविधता कभी-कभी हमारे देश में अलगाव की स्थिति को भी जन्म दे देती है। भारत में कई राज्यों के गठन का आधार भाषा ही रहा है। हिन्दी भारत को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य करती है। हम भारत के किसी भी हिस्से में चले जाएं हिन्दी हमारे संप्रेषण का माध्यम बनती है। यह वह भाषा है जो हमारी संस्कृति की संवाहक है। हिन्दी बहुत ही सरल एवं सुगम्य भाषा है। हिन्दी विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। मैं अंग्रेजी का विरोधी नहीं हूँ लेकिन हमें हिन्दी भाषा की महत्ता को कम कर आंकना नहीं चाहिए। हिन्दी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ओर से भी कई पुरस्कार दिए जाते रहे हैं। आज केंद्र सरकार भी हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य को प्रोत्साहित कर इसे और अधिक सुविधाजनक बना रही है। इन दिनों देखा जा रहा है कि सरकारी संस्थानों के कई वेबसाइट हिन्दी में डिजाइन किए जा रहे हैं। अधिकतर सरकारी क्रियाकलापों को हिन्दी में संपन्न किया जा रहा है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे सरकारी योजनाओं को भी लोगों तक पहुँचाने के लिए हिन्दी का प्रयोग सुनियोजित ढंग से किया जा रहा है। अत: हिन्दी भाषा साहित्य भविष्योन्मुखी है।

पुस्तक विमोचन

प्रथम दिवस पर विमोचित पुस्तक

Health Education & Wellness, Yoga Education, Sports, Nutrition & Fitness

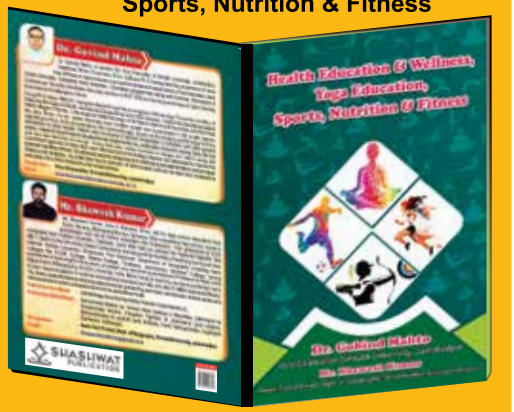

लेखक : डॉ. गोविन्द महतो | श्री भवेश कुमार

द्वितीय दिवस पर विमोचित पुस्तक

Climatology & Our Surrounding Vol. 1

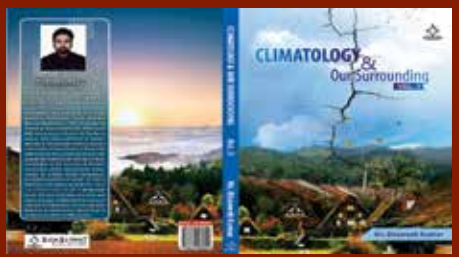

लेखक : श्री भवेश कुमार

शैवाल से लिपटी सलिल

लेखक : डॉ. जे.एल.पी. राजू

हास्य कवि सम्मेलन

विजेता

प्रथम : अरका जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड – एकरा हाशमी

द्वितीय :
- श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड – साहिल कु. सिंह
- जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड – अनमोल जयसवाल

तृतीय :
- देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड – अनमोल शर्मा
- करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड – साहिल अस्थाना

कार्यक्रम प्रभारी
श्रीमती रचना रश्मि
श्री रविकांत

निर्णायक
श्री दीपक वर्मा 'दीप'
श्रीमती सुधा गोयल

दीवार सज्जा

विजेता

प्रथम :
- **एन.आई.टी. जमशेदपुर, झारखण्ड**
  अंजली सिंह, ईशा, आदित्य प्रेम, शिवम बिट, सौरभ अग्रवाल
- **एम.बी.एन.एस. इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन, आसनबनी, चांडिल, झारखण्ड**
  संदीप कु. महतो, अभिषेक पूर्ती, सौरभ महतो, इंदु प्रधान, तनुजा दास

द्वितीय : **श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
सौमित्र कु. महतो, मनोज कु. दास, सौरभ दास, रितु राज, प्रिंस कुमार

तृतीय : **गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक भागा, धनबाद, झारखण्ड**
नन्दिनी कुमारी, विक्की कुमार, रितेश कु. महतो, सुमंत कुमार, स्वेता कुमारी

कार्यक्रम प्रभारी
श्री गणेश महतो
डॉ. सूर्य प्रताप सिंह

निर्णायक
डॉ. रजनी शर्मा 'चंदा'
श्री उत्तम मल्लिक

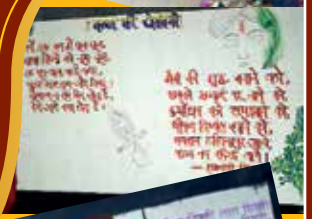

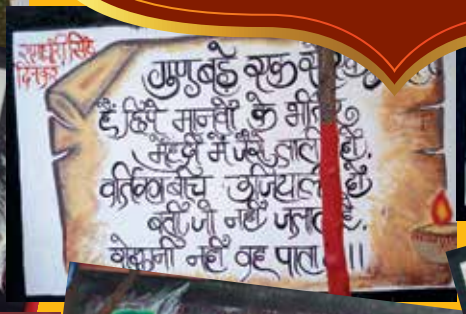

मुद्दे हमारे विचार आपके

विजेता

प्रथम : **श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
सोनल सिंह, रिया कुमारी, साहिल सिंह, आदर्श सिंह, हर्षदीप कौर

द्वितीय : **देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड**
गौरव, आदित्य रंजन, अनमोल शर्मा, प्रिया गोयल, वेदिका पाटीदार

तृतीय : **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड**
अजय कु. सिंह, शशि भूषण सिंह, पवन कु. यादव, मो. जिशान अलि, शुभम कु. डे

कार्यक्रम प्रभारी
सुश्री ट्विंकल गुप्ता
डॉ. पूजा श्रीवास्तव

निर्णायक
मो. सरताज आलम
श्रीमती संगीता झा

साहित्यिक कृति

विजेता

प्रथम : **श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
कविता कुमारी, अंजू महतो

द्वितीय :
- **कुल्टी कॉलेज, प. बंगाल**
  जया गुप्ता, नाहिद परवीन
- **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड**
  अनीसा कुमारी, दीक्षा प्रधान

तृतीय :
- **देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड**
  प्रखर भादुरिया, रीतिश्का सिंह
- **गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक भागा, धनबाद, झारखण्ड**
  सालिका साहीन, मुकेश कुमार

कार्यक्रम प्रभारी
श्री नलिन चन्द्रा
श्री सीताराम महतो

निर्णायक
डॉ. क्षमा त्रिपाठी
डॉ. मुकुल खंडेलवाल

मुखड़े पर मुखड़ा

विजेता

प्रथम : एन.आई.टी. जमशेदपुर, झारखण्ड
शिवम बिट, अनामिका

द्वितीय : मिसेज के.एम.पी.एम. वोकेशनल कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड
श्रेया दे, प्रिया मुर्मू

तृतीय : देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड
सजल जयसवाल, अनुश्री शर्मा

कार्यक्रम प्रभारी
श्री सायन मंडल
श्रीमती बीना महतो

निर्णायक
डॉ. जे.एल.पी. राजू
सुश्री सुमन प्रसाद

व्यक्तित्व झांकी

विजेता

प्रथम : **महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड**
शिल्पी दास, प्रीति नन्दी, प्रिया लकड़ा

द्वितीय : **रम्भा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता, हाता, झारखण्ड**
हसीना बास्के, सलोनी देवगम, कंचन बिरूवा

तृतीय : **कुल्टी कॉलेज, प. बंगाल**
ज्योति यादव, रिया कुमारी यादव, अनुका राम
द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वुमेन, जमशेदपुर, झारखण्ड
रीना कुमारी, संगीता बंकिरा, गुरबारी चातर

कार्यक्रम प्रभारी
श्री विनय सिंह शाण्डिल्य
डॉ. प्रीति किरण

निर्णायक
श्री दशरथ हाँसदा
श्री संतोष महतो

लिखो कहानी

विजेता

प्रथम : द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वुमेन, जमशेदपुर, झारखण्ड–प्रियंका महतो

द्वितीय : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड –विकास कुमार

तृतीय : महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड –शिमला बानरा

कार्यक्रम प्रभारी
श्रीमती रेखा कुमारी गोप
सुश्री सलोनी पांडेय

निर्णायक
श्रीमती अर्पणा संत सिंह
डॉ. रजनी शर्मा 'चंदा'

संपादकीय लेखन

विजेता

प्रथम : महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड – एंजल दादेल

द्वितीय : ए.बी.एम. कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड – नितू कुमारी महतो

तृतीय : मिसेज के.एम.पी.एम. वोकेशनल कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड – तकदीस तबस्सुम

कार्यक्रम प्रभारी
डॉ. देबोप्रिया सरकार
श्रीमती मधु शर्मा

निर्णायक
श्री संदीप सावर्ण

दंगल (वाद-विवाद)

विजेता

प्रथम : मिसेज के.एम.पी.एम. वोकेशनल कॉलेज, जमशेदपुर – श्रेया डे

द्वितीय :
- करीम सिटी बी.एड. कॉलेज, मानगो, जमशेदपुर – स्नेहा कुमारी
- उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड – आयुष राज

तृतीय : चन्द्रगुप्त इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना, बिहार – आशीष कुमार

कार्यक्रम प्रभारी
श्री शशिकांत सिंह
डॉ. शैलेश कु. षाड़ंगी

निर्णायक
श्री संदीप सावर्ण
श्री संदीप मुरारका

हिन्दी टंकण

विजेता

प्रथम : **महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड** –नीतू कुमारी

द्वितीय : **जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड** –प्रियंका दांगी हेम्ब्रम

तृतीय : **देव आई.टी.आई. कॉलेज, दुगनी, सरायकेला, झारखण्ड** –फिरोज महतो

कार्यक्रम प्रभारी
श्री रौशन कुमार
श्री अभिषेक रंजन

निर्णायक
डॉ. मीनाक्षी कर्ण

भाषा रूपांतरण

विजेता

प्रथम : • **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड** – अजय कु. सिंह
• **उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड** – विशाल कु. सिंह

द्वितीय : **करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड** – साहिल अस्थाना

तृतीय : **कलिंगा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंस, भुवनेश्वर, ओडिशा** – श्रुति खालखो

कार्यक्रम प्रभारी
सुश्री शिवानी गोराई
श्री राजेश रंजन

निर्णायक
श्री नवनीत कुमार मिश्रा
मो. सरताज आलम

नृत्य नाटिका

विजेता

प्रथम :
- **जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड**
  त्रिशाला कुमारी, ज्योति खालखो, जयंती कुमारी तियू
- **मॉडल कॉलेज, खरसावाँ, झारखण्ड**
  दीपा महतो, पूजा प्रधान, प्रीति कुमारी

द्वितीय :
- **कुल्टी कॉलेज, प. बंगाल**
  नाहीद परवीन, जया गुप्ता, रिया कुमारी यादव
- **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड**
  प्राप्ति रॉय, सेफाली दास, सौरवी दत्ता

तृतीय : **साईनाथ विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड**
रिजवाना, सुनिधि सिंह, खुशी कुमारी

कार्यक्रम प्रभारी
डॉ. मृत्युंजय महतो
श्री उपेन्द्र दीप

निर्णायक
श्रीमती श्रावणी रथ मिश्रा
श्रीमती वर्षा सिंह
श्रीमती सौमी बोस

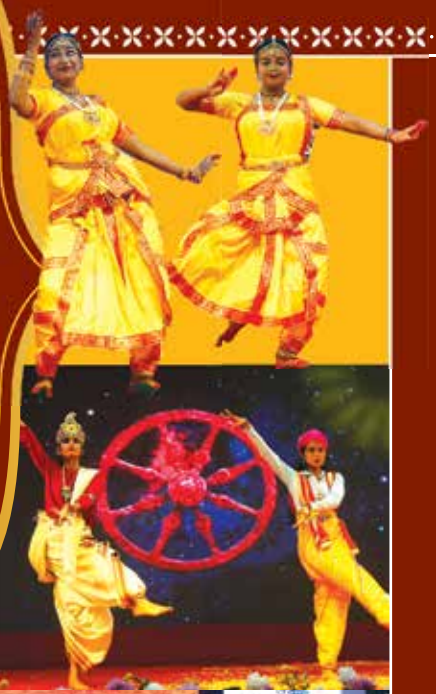

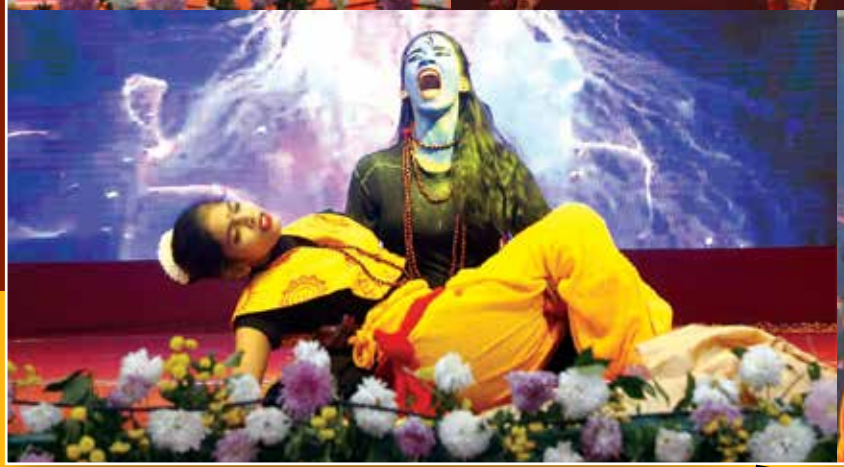

विज्ञापन रचना

विजेता

प्रथम : **गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, भागा, धनबाद, झारखण्ड**
मुस्कान रानी, अमन कुमार, राहुल मंडल

द्वितीय : **जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
मोनालिका खुशबू, खुशबू, सांता मंडल

तृतीय : **गवर्नमेंट वीमेंस पॉलिटेक्निक, जमशेदपुर**
आशा कुमारी लिम्बू, मंतोषा फातिमा, ज्योति कुमारी

कार्यक्रम प्रभारी
श्रीमती माधुरी कुमारी
सुश्री कमलिका दास

निर्णायक
श्री कुमार विवेक
शाहिद अनवर

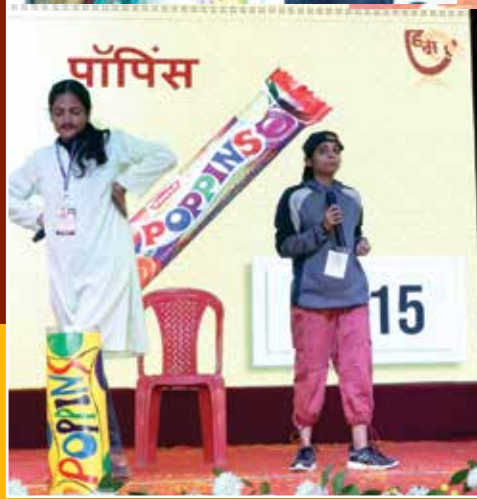

साहित्य के रंग (रंगोली)

विजेता

प्रथम :
- **साईनाथ विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड**
  दीक्षा राज, दीपिका कुमारी, खुशी कुमारी
- **श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
  पुनम नन्दी, संध्या कुमारी, माम्पी गोप

द्वितीय :
- **द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वुमेन, जमशेदपुर, झारखण्ड**
  अंकिता मुंडा, सिंगो हेम्ब्रम, नम्रता सत्पती
- **अरका जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
  रेबिका मिश्रा, आयशा इकबाल, सुमेरा परवीन

तृतीय :
- **कुल्टी कॉलेज, प. बंगाल**
  सिमरन बानो, मनीषा महतो, बिपाशा कुमारी
- **मॉडल कॉलेज, खरसावाँ, झारखण्ड**
  प्रीति कुमारी, मनीषा प्रधान, पूजा प्रधान

कार्यक्रम प्रभारी
सुश्री शालिनी चक्रवर्ती
श्री देव कुमार रे

निर्णायक
श्रीमती विद्या तिवारी
श्रीमती सुधा गोयल

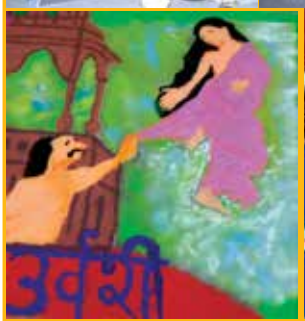

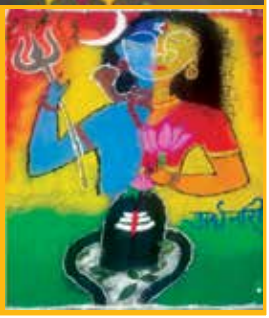

प्रश्नोत्तरी

विजेता

प्रथम : **रम्भा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीतिलता, हाता, झारखण्ड**
कमला पिंगुआ, राजकुमार गोप

द्वितीय : **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड**
खुशबू राम, पवन कुमार

तृतीय : **श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
प्रतीक कुमार, अभिरूप गोस्वामी

कार्यक्रम प्रभारी

श्री विनय सिंह शाण्डिल्य
श्रीमती मधु शर्मा
श्री सुमित कुमार

श्री अभिषेक कुमार
डॉ. सूर्य प्रताप सिंह

वृत्तचित्र एवं रील्स संचार

विजेता

प्रथम : **श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
जोहा मंतषा, पीयूष कु. महतो, निखिल निशार

द्वितीय : **देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड**
गौरव, वेदिका पाटीदार, प्रियदर्शनी मोहंती

तृतीय : **गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, भागा, धनबाद, झारखण्ड**
आशीष कु. दास, पवन महतो

कार्यक्रम प्रभारी

श्री अभिषेक कुमार
सुश्री जया रानी महतो
श्री विजयादित्य गिरि
सुश्री श्रुति कुमारी

निर्णायक

श्री कुमार विवेक
श्री आर.जे. प्रसून

वाक् चातुर्य

विजेता

प्रथम :
- **करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड** –साहिल अस्थाना
- **कलिंगा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंस, भुवनेश्वर, ओडिशा**–मनीषा लागुरी

द्वितीय : **महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड** –वंशिका कुमारी

तृतीय : **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड** –शशि भूषण साहू

कार्यक्रम प्रभारी

श्री अनुज कु. पाण्डेय
श्रीमती कनकलता

निर्णायक

आर.जे. राज
डॉ. नीलिमा कुमारी पटेल
आर.जे. अभय

लघु नाटिका

विजेता

प्रथम : **महिला कॉलेज, चाईबासा, झारखण्ड**
सुरभि साह, नीतू कुमारी, पूनम कुमारी, स्वेता शर्मा, विनी तामसोय, निक्की कुमारी प्रसाद, निक्की गुप्ता, नीलम कुमारी दास

द्वितीय : **जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड**
शालिनी, अमिषा, आराधना, दीप्ति माला, प्रियंका कुमारी, खुश्बू, पूजा कुमारी

तृतीय : **गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, भागा, धनबाद, झारखण्ड**
बिट्टू कुमार, अभिजीत, विक्की कुमार, सर्वेश कुमार, तनुश्री कुमारी, मंजू कुमारी, दीनबन्धु कुमार

कार्यक्रम प्रभारी
श्रीमती सुमन सिंह
श्रीमती पूजा कुमारी

निर्णायक
उमर खान
श्रीमती कृष्णा सिन्हा

कहानी से कविता तक

विजेता

प्रथम : **मिसेज के.एम.पी.एम. वोकेशनल कॉलेज, जमशेदपुर** –तकदीश तबस्सुम

द्वितीय : **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड** –अजय कु. सिंह

तृतीय : **जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर, झारखण्ड** –अंतिम आराधना

कार्यक्रम प्रभारी
श्रीमती स्वेता कुमारी
डॉ. विकास मुर्मू

निर्णायक
श्रीमती अरुणा झा
श्रीमती पद्मा मिश्रा

रेडियो श्रीनाथ

विजेता

प्रथम :
- **डी.बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कदमा, जमशेदपुर, झारखण्ड**
  परविन्दर सिंह, श्रृष्टि सलोनी
- **साईनाथ विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड**
  अनिमेश गिरी, सुनिधि सिंह

द्वितीय : **करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, झारखण्ड**
विनोद रविदास, साहिल अस्थाना

तृतीय :
- **मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर, झारखण्ड–**
  राहुल कुमार महतो, साधिया अबसार
- **द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वुमेन, जमशेदपुर, झारखण्ड**
  अनुपमा कुमारी, स्मृति श्रीवास्तव

कार्यक्रम प्रभारी
श्रीमती जयश्री सिंह
श्री अजित मुर्मू

निर्णायक
डॉ. अनीता शर्मा
आर.जे. अभय
आर.जे. मनोज

पुरस्कार वितरण समारोह

मुख्य अतिथि
श्री विजय कुमार
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
जिला एवं सत्र न्यायालय, सरायकेला

विशिष्ट अतिथि
डॉ. पी. के. पाणी
पूर्व वित्त पदाधिकारी
कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

सांस्कृतिक झलकियाँ

प्रथम दिवस
१ दिसम्बर २०२३ (बृहस्पतिवार

अतिथि सम्मान

सुर्ख़ियाँ...

श्रीनाथ विश्वविद्यालय • तीन दिन में होंगी 20 से अधिक प्रतियोगिताएं

सातवां अंतरराष्ट्रीय श्रीनाथ हिन्दी महोत्सव आज से, देश के कई विवि व कॉलेजों के प्रतिभागी होंगे शामिल

7th International Srinath Hindi Mahotsav: Nurturing literary excellence and women's voices

Exploring the 'Popularity of Women's Writing', celebrating cultural diversity

श्रीनाथ विवि में आज से होगा हिंदी सेवियों का जुटान, 7 वें अंतर्राष्ट्रीय हिंदी महोत्सव-2023 की तैयारियां पूरी

सातवाँ अंतरराष्ट्रीय हिंदी महोत्सव • श्रीनाथ विश्वविद्यालय में पहले दिन कई प्रतियोगिताएं हुईं

कोई भी भाषा किसी दूसरी भाषा पर अपना आधिपत्य नहीं जमा सकती : राहुल देव

अब आसमां नाप रहीं महिलाएं : ममता कालिया

आयोजन • श्रीनाथ विश्वविद्यालय के हिंदी महोत्सव में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. एसएन पाठक बोले

न्यायिक प्रक्रिया में हिंदी को नहीं अपनाना दुर्भाग्यपूर्ण

केबुल टाउन बिड़ला मंदिर का लिया जायजा, बोले- जीर्णोद्धार होना चाहिए

हिंदी हमारी संस्कृति और सभ्यता की महत्वपूर्ण कड़ी : न्यायमूर्ति पाठक

आज की स्त्री एक सशक्त औरत : ममता कालिया

वह दिन दूर नहीं जब न्यायालय में हिन्दी कार्य प्रणाली का सहारा बनेगीः डॉ. पाठक

श्रीनाथ विश्वविद्यालय के सातवें अंतर्राष्ट्रीय श्रीनाथ हिंदी महोत्सव का समापन

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में आज से हिंदी महोत्सव

अपना आसमान ढूंढ चुकी हैं महिलाएं : ममता कालिया

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय हिंदी महोत्सव का समापन, न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक ने कहा

शीर्ष अदालतों के फैसले चार भाषाओं में होंगे, हाइकोर्ट में दो जज की कमेटी बनेगी

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय हिंदी महोत्सव का शुभारंभ

50 साल में भारत की 20 फीसदी भाषाएं विलुप्त हो गयीं : राहुल देव

श्रीनाथ हिन्दी महोत्सव में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉ. एसएन पाठक हुए शामिल, बोले

अदालत में हिन्दी को मिलेगी प्रमुखता

गोलमुरी बिरला मंदिर भी गए

आज की महिलाएं आसमान ढूढ चुकी है : ममता

We should take pride in speaking Hindi: Hon'ble Dr. Justice S.N. Pathak

7th International Srinath Hindi Mahotsav promoting pride in Hindi language culminates

जब तक दैनिक जीवन में हिंदी उपयोग में है, वह शक्तिशाली बनी रहेगी : राहुल देव

श्रीनाथ विवि में आज से हिंदी सेवियों का जुटान

श्रीनाथ विश्वविद्यालय

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त | एआईसीटीई एवं पीसीआई द्वारा अनुमोदित

आदित्यपुर, जमशेदपुर, झारखण्ड - 831013

फोन : 1800-3455-5555, वेबसाईट : www.srinathuniversity.ac.in